2021

(Held in 2022)

HINDI

Paper : HIN–HC–3026

(भारतीय काव्यशास्त्र)

(Honours Course)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) ''अंगीकरोति यः काव्यं शब्दार्थावनलंकृती।
असौ न मन्यते कस्मादनुष्णमनलं कृती॥''

काव्य-लक्षण के संदर्भ में यह कथन किस आचार्य का है?

(ख) 'काव्यहेतु' का आशय क्या है?

(ग) 'काव्यादर्श' नामक ग्रंथ के रचयिता कौन हैं?

(घ) पण्डितराज जगन्नाथ का आविर्भाव-काल क्या है?

(ङ) आचार्य मम्मट द्वारा विरचित काव्यशास्त्रीय ग्रंथ का नामोल्लेख कीजिए।

(च) "चरन-कमल बंदौं हरि-राइ।" इस काव्य-पंक्ति के 'चरन-कमल' में कौन-से अलंकार की योजना हुई है?

(छ) 'सत्वोद्रेक' शब्द का अर्थ क्या है?

(ज) ध्वनि-सिद्धांत के प्रवर्तन का श्रेय किस आचार्य को दिया जाता है?

(झ) 'रीति' शब्द का व्युत्पत्तिपरक अर्थ क्या है?

(ञ) 'औचित्यविचारचर्चा' के रचयिता कौन हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) आठ सात्विक अनुभाव क्या-क्या हैं?

(ख) 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' —का आशय बताइए।

(ग) 'अनुप्रास' अलंकार का एक उदाहरण दीजिए।

(घ) स्थायी भाव की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ङ) 'रीति' के तीनों भेदों का परिचय दीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' —इस काव्य-लक्षण के औचित्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) संचारी भाव का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(ग) काव्यहेतु के रूप में प्रतिभा पर चर्चा कीजिए।

(घ) 'रस ब्रह्मास्वाद सहोदर है' —का तात्पर्य बताइए।

(ङ) 'चित्रकाव्य' का सामान्य परिचय दीजिए।

(च) उदाहरण और संघटना के साथ उत्प्रेक्षा अलंकार के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) आचार्य मम्मट द्वारा सुनिर्दिष्ट काव्य-प्रयोजनों पर विचार कीजिए।

(ख) आचार्य भट्ट लोल्लट और श्री शंकुक द्वारा प्रस्तुत रस-निष्पत्ति विषयक मतों की समीक्षा कीजिए।

(ग) साधारणीकरण के स्वरूप पर सम्यक् विवेचन कीजिए।

(घ) गुणीभूतव्यंग्य-काव्य किसे कहते हैं? गुणीभूतव्यंग्य के किन्हीं पाँच भेदों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(ङ) अलंकार की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उपमा, यमक और श्लेष अलंकार पर सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(च) रीति-सिद्धांत के स्वरूप एवं महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(छ) 'वक्रोक्ति' किसे कहते हैं? प्रबंध-वक्रता के छः भेदों पर विचार कीजिए।

(ज) 'औचित्य' का आशय स्पष्ट करते हुए औचित्य-सिद्धांत पर सम्यक् विवेचन कीजिए।

★★★